TRAINING OF FARMERS OF BIHAR

Five days training on Agroforestry and Land Management

Forest Research Institute (FRI) organized 5 days Training Programme for Farmers of Bihar State w.e.f 02-09-2013 to 06-09-2013 in collaboration with Bihar Forest Department, wherein thirty farmers from various districts like West Champaran, Saharsa, Gaya, Siwan participated in the training. The training was inaugurated on 02-09-2013 (Monday) by Dr. P.P. Bhojvaid IFS, Director, Forest Research Institute (FRI), Dehradun. In his inaugural address he emphasized that the land of Bihar is fertile and has huge agroforestry potential in the state. By way of taking agroforestry practices, the livelihood and income generation can be improved.

Jayshree Ardey, Head Extension While welcoming the participants and the Chief Guest said that the training would immensely help in improving skills and assist in taking up Agroforestry on a large scale in Bihar state. She also emphasized on promotion of agroforestry in Bihar State. She informed besides this training three more trainings would be conducted in the Institute. All the Heads of Divisions, scientists and Resource persons were present during inauguration programme. The entire training program was widely covered by print and electronic media.

Lectures on various aspects of Agroforestry were delivered by subject specialists during the technical sessions of the training.

During the training, visit of Museums, Central nursery, Laboratories of Forest Pathology, Genetics & Tree Propagation and Entomology of FRI and the field visit on Agroforestry practices around Gurukul Narsan, Haridwar were also arranged for trainees. The Training was much appreciated by all the participants and concluded with distribution of certificates to participants.

डॉ0 पी.पी.भोजवैद, निदेशक, व.अ.सं. द्वारा प्रशिक्षण के उद्घाटन पर सम्बोधन

श्रीमती जयश्री आरडे,प्रभाग प्रमुख, द्वारा प्रशिक्षण के प्रत्याशियों का स्वागत करते हुए सम्बोधन

निदेशक व.अ.सं. द्वारा प्रशिक्षण के प्रत्याशियों के साथ चर्चा करते हुए

डॉ0 चरन सिंह वैज्ञानिक, विस्तार प्रभाग द्वारा कृषि वानिकी पर सम्बोधन

कृषि वानिकी प्रशिक्षण के प्रत्याशी एवं व.अ.सं. के निदेशक तथा अन्य अधिकारीयों का समूह चित्र

डॉ0 मनीषा थपलियाल, वैज्ञानिक, द्वारा कृषि वानिकी में वृक्षों के बीजो के बारे में सम्बोधन

डॉ. मुकेश कुमार गुप्ता, वैज्ञानिक, द्वारा कृषि मृदा की महत्ता पर सम्बोधन

डॉ0 दिनेश कुमार, वैज्ञानिक द्वारा, पॉपलर के उन्नत क्लोन एवं रोपण तकनीक पर चर्चा

श्री सुरेश शर्मा, अनुसंधान अधिकारी द्वारा कृषि वानिकी के पौधो की व्याधि पर चर्चा

प्रशिक्षण के प्रत्याशी व्याधि संग्रहालय को देखते हुए

डॉ0 मो0 यूसूफ, प्रभाग प्रमुख द्वारा कृषि वानिकी में कीट विज्ञान पर सम्बोधन

डॉ0 ओमबीर सिंह, वैज्ञानिक द्वारा बीज प्रौद्योगिको पर सम्बोधन

डॉ0 एन.एस.के हर्ष, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा पौधों एवं बीजों में व्याधि पर व्याख्यान

श्री एच.पी.सिंह, वैज्ञानिक द्वारा कृषि वानिकी में पॉपलर एवं सफेदा वृक्षों पर आर्थिक एवं विपणन पर सम्बोधन

डॉ0 मो0 यूसूफ, प्रभाग प्रमुख द्वारा कृषि वानिकी मे कीट विज्ञान पर सम्बोधन

श्री उमेश कुमार, उपसंरक्षक –बिहार राज्य में वानिकी के स्थिति के बारे में अवगत कराते हुए

श्रोमती जयश्री आरडे – प्रशिक्षणार्थी को प्रमाण पत्र वितरण करते हुए

डॉ0 मो0 यूसूफ द्वारा – प्रशिक्षणार्थी को प्रमाण पत्र वितरण करते हुए